**इकाई – 3. कविताएँ–निर्मला पुतुल की कविताएँ**

1. क्या तुम जानते हो, आदिवासी स्त्रियां, उतनी दूर मत ब्याहना (''नगाड़े की तरह बजते शब्द'' काव्य संग्रह से), क्या हूँ मैं तुम्हारे लिए, बिटिया मुर्मू के लिए 1,2,3.

**इकाई – 4.**

कहानी–अमली–हरिराम मीणा, परती जमीन–पीटर पाल एक्का, कानीबाट–मेहरूनिशा परवेज

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**


1. आदिवासी दर्शन और साहित्य–वन्दना टेटे
2. आदिवासी साहित्य परम्परा और प्रयोजन–वन्दना टेटे
3. आदिवासी अस्मिता का संकट–रमणिका गुप्ता
4. भारत के आदिवासी–प्रो0 मधुसूदन त्रिपाठी
5. आदित संस्कृति एवं राजनीति–एम0 कुमार
6. आदिवासी स्वर्ग– हरि नारायण दत्त एवं जसप्रीत बाजवा
7. साहित्य के आइने में आदिवासी विमर्श–डॉ0 एम0 फिरोज खान एवं डॉ0 शगुफ्ता नियाज
8. समकालीन हिन्दी आदिवासी साहित्य–डॉ बिजाबी
9. भारतीय वांगमय और दलित चेतना–डॉ0 अनिल कुमार सिंह


## तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

## हिन्दी पी0जी0 – A010901T

## Core - 1

| Course Out Comes |
|---|
| छात्र आधुनिक काव्य के उद्भव एवं विकास, सामाजिक आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत होगें तथा आधुनिक कवियों से शिल्पगत विशेषताओं से परिचित होगें। |

### आधुनिक हिन्दी काव्य (प्रगतिवाद से अद्यतन)

**इकाई – 1.** नागार्जुन–बादल को घिरते देखा, सिंदूर तिलकित भाल, प्रतिबद्ध हूँ, तालाब की मछलियाँ
मुक्तिबोध– मुझे कदम–कदम पर, बहुत दिनों से।

**इकाई – 2.** अज्ञेय–साँप, नदी के द्वीप, कलंगी बाजरे की धूमिल–अकाल दर्शन, कविता, किस्सा जनतंत्र।

**इकाई – 3.** मान बहादुर सिंह–कविता का विश्वास कलकत्ता में, मुझे अच्छा लगता है, हँसी, ईश्वर की समकालीन लाचारी, सरपत

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**

1. तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
2. दूसरा तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
3. तीसरा तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
4. नई कविता और अस्तित्ववाद–डॉ0 राम विलास शर्मा।
5. हिन्दी कविताः आधुनिक आयाम–डॉ0 रामदरश मिश्र।
6. हिन्दी कविता की प्रवृत्ति–डॉ0 हरि दयाल।
7. कविता की रचना यात्रा–डॉ0 राज कुमार शर्मा।
8. समकालीन हिन्दी कविता–डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
9. समकालीन कविता का यथार्थ–डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव।

**तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष**

**हिन्दी पी0जी0 – A010902T**

**Core - 2**

| Course Out Comes |
|---|
| भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी, विद्यार्थी हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित होंगे। |

**भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास**

**इकाई – 1.** भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा के विभिन्न रूप, भाषा और बोली।

**इकाई – 2** (क) भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र, अध्ययन पद्धतियाँ, स्वरूप और दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, उपयोगिता, भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

(ख) वाक्य विज्ञान–वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण।

(ग) अर्थ विज्ञान–अर्थ अवधारणा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

(घ) रूप विज्ञान–रूप की अवधारणा, रूपिम और संरूप की परिभाषा, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

(ड़) ध्वनि विज्ञान–ध्वनि अध्ययन के आयामः उच्चारणात्मक, प्रसारणिक, श्रवणात्मक ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ और स्वनिम विज्ञान।

**इकाई – 3.** हिन्दी भाषा का विकास–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ (अपभ्रंश औहट साहित्य और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध), हिन्दी की जनपदीय भाषाएँ–काव्य भाषा के रूप में अवधी का उद्य और विकास, काव्य भाषा के रूप में ब्रज भाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उद्भव और विकास।

**इकाई – 4. <u>हिन्दी रूप रचनाः</u>**

(क) हिन्दी संज्ञा, वचन, प्रत्यय एवं उपसर्ग, हिन्दी कारक चिन्ह

(ख) हिन्दी सर्वनाम पदों का विकास।

(ग) विशेषण की रचना एवं विकास।

(घ) हिन्दी क्रियाः धातु, कृदन्त, सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया।

(ड़) नागरी लिपि–उद्भव और विकास, मानकीकरण, वैज्ञानिकता, गुण एवं दोष।

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**


1. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त–राम किशोर शर्मा।
2. भाषा विज्ञान–भोलानाथ तिवारी।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका–देवेन्द्र नाथ शर्मा।
4. भाषा विवेचन– भगीरथ मिश्र।
5. भाषाशास्त्र की रूप रेखा–उदय नरायण तिवारी।
6. हिन्दी भाषा का इतिहास–धीरेन्द्र वर्मा।
7. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास–भोलानाथ तिवारी।
8. हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम–रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव।
9. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास–उदय नरायण तिवारी।
10. हिन्दी उद्भव, विकास और रूप– हरदेव बाहरी।

# तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

## हिन्दी पी0जी0 – A010903T

## Core - 3

| Course Out Comes |
|---|
| विद्यार्थियों में भारतीय साहित्य के प्रति समझ विकसित करना, भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक परम्परा के आलोक में साहित्य का रसास्वदन कराना, देश की सभ्यता व विविध संस्कृत से परिचित कराना, राष्ट्रीय मूल्य व चेतना का बीजारोपण करना तथा राष्ट्र की एकता व अखण्डता एवं सम्प्रभुता की स्थापना में सहायता करना। |

### भारतीय साहित्य–अवधारणा, सिद्धान्त व चयनित रचनांए

**इकाई – 1.** भारतीय साहित्य–स्वरूप, लक्षण, महत्ता एवं बहुलता, अवधारणा एवं व्यापकता, मूल्य चेतना, भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप, आधार तत्व, भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय–बंगला, असमिया, कश्मीरी एवं तमिल।

**इकाई – 2.** (क) उपन्यास–रविन्द्रनाथ टैगोर कृत ''गोरा''

**अथवा**

यू0आर0अनन्त मूर्ति कृत ''संस्कार''

(ख) नाटक– विजय तेन्दुलकर कृत ''घासीराम कोतवाल''

**इकाई – 3.** कहानी–कुर्रतुल एन हैदर (उर्दू) – ''अगले जनम बिटिया ही कीजो''

इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)– एक अविस्मरणीय यात्रा।

**इकाई – 4.** (क) कविता–सुनील गंगोध्याय (बंगला)– ''थोड़ी सी प्यार की बातें।''

(ख) कण्णदासन(तमिल)–''कवि अनुभूति''

(ग) सीताकान्त महापात्रा (उड़िया)–''कवि कर्म''

(घ) जी0शंकर कुरूप (मलयालम)–''बाँसुरी''

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**


1. आज का भारतीय साहित्य–प्रभाकर माचबे।
2. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास–डॉ0 नगेन्द्र।
3. भारतीय साहित्य कोश–डॉ0 नगेन्द्र।
4. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूप दर्शन– गौरीशंकर पाण्डेय।
5. अखिल भारतीय साहित्यः विविध आयाम–सम्पादक– सतीश कुमार रेहरा।
6. भारतीय भाषा साहित्य–विभूति मिश्र।
7. साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी0डी0।

## तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

### हिन्दी पी0जी0 – A010904T

## (Fifth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (5)

| Course Out Comes |
|---|
| छात्र साहित्य और सिनेमा के अन्तर सम्बन्धों से परिचित हो सकेगें तथा सिनेमा के आधारभूत तत्वों एवं साहित्य फिल्मान्तरण की प्रक्रिया व उसकी चुनौती को समझ सकेगें। |

### हिन्दी साहित्य और सिनेमा

**इकाई – 1.** (क) साहित्य और सिनेमा–स्वरूप और महत्व

(ख) सिनेमा के अर्न्तनिहित तत्व।

(ग) सिनेमा के ऐतिहासिक विकास यात्रा।

(घ) साहित्य और सिनेमा का अन्तर सम्बध।

**इकाई – 2.** (क) साहित्य के फिल्मान्तरण की समास्या और चुनौती।

(ख) साहित्यिक सिनेमा का सामाजिक, आर्थिक, राजनीति व सांस्कृतिक प्रभाव

**इकाई – 3.**(क) प्रमुख साहित्यिक कृतियाँ–तमस,यही सच है, तीसरी कसम तथा चारणदास चोर के फिल्मान्तरण पर परिचर्चा।

(ख) राष्ट्र और समाज निर्माण में साहित्यिक सिनेमा की वैचारिक भूमिका।

**इकाई – 4.** (क) भारतीय समाज का यथार्थ एवं हिन्दी सिनेमा

(ख) साहित्यिक सिनेमा का भविष्य।

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**


1. भारतीय सिनेमा का सफरनामा–डॉ0 पुनीत विसारिया
2. नया सिनेमा–बृजेश्वर मदान
3. हिन्दी सिनेमा का इतिहास–मनमोहन चड्ढा
4. भारतीय सिनेमा सिद्धान्त–अनुपम ओझा
5. हिन्दी सिनेमा के 100 वर्ष–प्रहलाद अग्रवाल
6. सिनेमा कल आज और कला–विनोद भारद्वाज
7. राजकपूर : आधी हकीकत आधा फँसाना– प्रहलाद अग्रवाल
8. सिनेमा का जादुई सफर–प्रताप सिंह


**अथवा**

**तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष**

**हिन्दी पी0जी0 – A010905T**

## (Fifth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (5)

| Course Out Comes |
| --- |
| छात्रों में परियोजना प्रस्तुति के माध्यम से विषय के प्रति गहरी समझ और अनुसंधान के प्रति दृष्टि विकसित होगी। |

**हिन्दी साहित्य से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति**

(आधुनिक काल के किसी कवि, लेखक व उसकी रचना से सम्बन्धित)

**तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष**

**हिन्दी पी0जी0 – A010906T**

## (Six Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (6)

| Course Out Comes |
| --- |
| सेमीनार प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों में विषय के प्रति शोधपरक दृष्टि विकसित होगी एवं शोध लेखन व वाचन की कला से छात्र अवगत होगें। |

न्यूनतम 5 सेमिनार एवं उसकी प्रस्तुति

**अथवा**

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

**हिन्दी पी0जी0 – A010907T**

## (Six Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (6)

| Course Out Comes |
| --- |
| स्त्री विमर्श के स्वरूप एवं अवधारणा, मूल संकल्पना और वैचारिकी से, स्त्री मुक्ति के सवालों और प्रयासों को समझने में छात्रों को सहायता होगी। |

**अस्मिता विमर्श एवं स्त्री लेखन का सामाजिक, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य**

**इकाई – 1.** स्त्री विमर्शः अर्थ स्वरूप एवं उद्‌देश्य, अवधारणा एवं वैचारिक संकल्पना, स्त्री विमर्श का इतिहास–पाश्चात्य एवं भारतीय सन्दर्भ में, भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री प्रश्न, स्त्री मुक्ति का सवाल, पितृसत्ता की च ुनौती व संघर्ष, वर्तमान सन्दर्भ में स्त्री विमर्श की दिशा एवं दशा।

**इकाई – 2.** उपन्यास–आपका बंटी–मन्नू भन्डारी।

**इकाई – 3.** (क) कहानी–सिक्का बदल गया–कृष्णा सोवती

(ख) ततईया–नासिरा शर्मा

(ग) गुल की बन्नो–धर्मवीर भारती

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**

1. उपनिवेश में स्त्री–प्रभा खेतान
2. स्त्री उपेक्षिता–प्रभा खेतान
3. स्त्री संघर्ष का इतिहास–राधा कुमार
4. भविष्य का स्त्री विमर्श–ममता कालिया
5. साहित्य की जमीन और स्त्री–रोहिणी अग्रवाल
6. आलोचना का स्त्री पक्ष, पद्धति, परम्परा और पाठ–सुजाता
7. स्त्री का समय–क्षमा शर्मा
8. स्त्री विमर्श–रमणिका गुप्ता

**चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष**

**हिन्दी पी0जी0 – A011001T**

**(Core - 1)**

| Course Out Comes |
|---|
| इस पाठ्यक्रम से आलोचना के अर्थ स्वरूप परिभाषा, आलोचना के प्रकार एवं उनकी विशिष्टताओं से तथा हिन्दी आलोचना के उद्भव एवं विकास यात्रा को छात्र भलीभांति समझ सकेंगे। |

**आधुनिक हिन्दी आलोचना की मान्यताएं एवं प्रमुख वाद**

**इकाई – 1.** आलोचना : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार तथा विशिष्टता।

**इकाई – 2.** हिन्दी आलोचना का विकास।

(क) शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना।

(ख) शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना

(ग) शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना

**इकाई – 3.** हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचनात्मक दृष्टि– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**


1. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द–बच्चन सिंह
2. हिन्दी आलोचना–विश्वनाथ त्रिपाठी
3. आलोचना का नया पाठ–गोपेश्वर सिंह
4. हिन्दी आलोचना का विकास–नन्द किशोर नवल
5. आस्था और सौन्दर्य–रामविलास शर्मा।
6. आस्था के चरण–डॉ0 नगेन्द्र
7. दूसरी परम्परा की खोज–नामवर सिंह

## चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

## हिन्दी पी0जी0 – A011002T

## (Core - 2)

| Course Out Comes |
|---|
| छात्र हिन्दी निबन्ध के अर्थ स्वरूप और उद्देश्य तथा विकास यात्रा से परिचित हो सकेगें। हिन्दी निबन्धों के भाषागत और कलागत विशेषताओं को समझ सकेगें। हिन्दी नाटक के स्वरूप एवं पृष्ठभूमि, नाटक के उद्भव एवं उसकी विकास यात्रा तथा नाटक और रंगमंच के अन्तर्सम्बन्ध से परिचित हो सकेगें। |

### हिन्दी गद्य साहित्य– नाटक एवं निबन्ध

**इकाई – 1.** नाट्य रचना–स्कन्द गुप्त–जयशंकर प्रसाद

**अथवा**

असाढ़ का एक दिन–मोहन राकेश

**इकाई – 2.** निर्धारित निबन्धों की व्याख्या एवं समीक्षा–

(क) नाखून क्यों बढ़तें है–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) प्रासंगिकता का प्रश्न–अज्ञेय

(ग) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–डॉ0 विद्या निवास मिश्र

(घ) ईर्ष्या–रामचन्द्र शुक्ल

(ड़) आचरण की सभ्यता–सरदार पूर्ण सिंह

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**


1. हिन्दी का गद्य साहित्य–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी निबन्ध का विकास–डॉ0 ओमकार नाथ शर्मा
3. निबन्ध सिद्धान्त और प्रयोग–डॉ0 हरिहर नाथ द्विवेदी
4. मोहन राकेश और उनके नाटक–गिरिश रस्तोगी
5. आचार्य शुक्ल और हिन्दी समीक्षा–डॉ0 राधिका प्रसाद त्रिपाठी
6. आचार्य शुक्लः सन्दर्भ और दृष्टि–डॉ0 जगदीश नारायण

**चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष**

**हिन्दी पी0जी0 – A011003T**

## (Seventh Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (7)

| Course Out Comes |
|---|
| इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को रचनाकार के जीवन दर्शन एवं उनकी साहित्यिक रचनाओं में निहित विचारधारा मूल्यबोध व आलोचकीय दृष्टि को समझने में सहायता प्राप्त होगी। |

कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद एवं धूमिल (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)

पाठ्यक्रम–निम्नलिखित साहित्यकारों में से मात्र किसी एक का विशेष अध्ययन अपेक्षित हैः–

1. **कबीरदास–**

   कबीर ग्रन्थावली सम्पादक डॉ0 श्याम सुन्दर दास

   (सम्पूर्ण साखी भाग तथा प्रारम्भिक 150 पद)

2. **जायसी–**

   जायसी ग्रन्थावली सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल

3. **सूरदास–**

   सूरसागर (भाग एक और दो) – नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

4. **तुलसी–**

   तुलसी ग्रन्थावली – नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

   (व्याख्या केवल रामचरित मानस, विनय पत्रिका और कवितावली से)

5. **जयशंकर प्रसाद–**

   प्रसाद ग्रन्थावली – रत्न शंकर प्रसाद

   (व्याख्या केवल कामायनी, आंसू, लहर तथा चन्द्रगुप्त तथा स्कन्दगुप्त से)

6. **सुदामा प्रसाद पाण्डेय ''धूमिल''–**

   संसद से सड़क तक –

   (व्याख्या केवल मोचीराम, पटकथा, कविता, बीस साल बाद, जनतंत्र के सूर्यादय में, अकाल दर्शन, नक्सल बाड़ी,भाषा की रात )

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**

1. कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर– बिजयेन्द्र स्नातक
3. कबीर साहित्य की परख–परशुराम चतुर्वेदी
4. जायसी और उनका काव्य–शिव सहाय पाठक
5. जायसी ग्रन्थावली–रामचन्द्र शुक्ल
6. सूर और उनका साहित्य–हरवंश लाल शर्मा
7. सूरदास–बृजेश्वर वर्मा
8. तुलसी काव्य मीमांसा–उदयभान सिंह

**अथवा**

**चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष**

**हिन्दी पी0जी0 – A011004T**

## (Seventh Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (7)

| Course Out Comes |
|---|
| किन्नर विमर्श के स्वरूप पृष्ठभूमि पौराणिक एवं ऐतिहासिक सन्दर्भ से छात्र परिचित हो सकेगें तथा किन्नर विमर्श के मूल संकल्पना एवं वैचारिकी एवं किन्नर समुदाय की सामाजिक स्थित का विश्लेषण करने में समर्थ हो सकेगे। |

**किन्नर विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य**

**इकाई – 1.** किन्नर साहित्य : अर्थ स्वरूप एवं परिभाषा, अवधारणा एवं उद्देश्य, किन्नर विमर्श का इतिहास–

1. पौराणिक 2. आधुनिक सन्दर्भ, चुनौती एवं संघर्ष।

**इकाई – 2.** उपन्यास–

नाला सोपारा–चित्रा मुद्गल अथवा

दर्द न जाने कोई –लवलश

**इकाई – 3.** कहानी–

(क) ई मूर्दन का गांव–कुसुम अंसल

(ख) किन्नर– एस.आर. हरनोट

(ग) बिन्दा महाराज–शिव प्रसाद सिंह

**सन्दर्भ ग्रन्थ :–**


1. थर्ड जेन्डर का यथार्थ– शगुफ्ता नियाज
2. थर्ड जेन्डर – डॉ. एम. फिरोज खान
3. किन्नर विमर्श साहित्य के आईने में – डॉ. इकरार अहमद
4. थर्ड जेन्डर विमर्श – शरद सिंह
5. थर्ड जेन्डर – अस्मिता और सघर्ष–डॉ0 विजेन्द्र प्रताप सिंह एवं रवि कुमार गौड़
6. हिन्दी उपन्यासों के आइने में थर्ड जेन्डर– डॉ0 विजेन्द्र प्रताप सिंह
7. थर्ड जेन्डर – विशेषांक – अप्रैल से सितम्बर– 2018
8. सिनेमा की निगाह में थर्ड जेन्डर– डॉ0 एम0 फिरोज खान एवं सिपरा किरण


**चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष**

**हिन्दी पी0जी0 – A011005T**

## (Research Project/Dissertation)

**लघु शोध प्रबन्ध (मौखिक परीक्षा सहित)**

**नोटः–**

1. इस प्रश्न–पत्र के लिए विषय विभाग के द्वारा निर्धारित किया जायेगा।
2. लघु शोध प्रबन्ध लेखन कार्य प्रभारी अध्यापक के दिशा निर्देशन में किया जायेगा।
3. इसके लिखित अंक 50 और मौखिक अंक 50 होगें।
4. शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन एवं मौखिकी वाह्य परीक्षकों द्वारा सम्पन्न होगी।